

स्वेत वि. (तद्.) दे. श्वेत।

स्वेत-रंगी स्त्री. (तद्.+तत्.) कीर्ति, यश।

स्वेद पुं. (तत्.) 1. पसीना 2. साहित्य में एक सात्विक अनुभाव जिसमें विस्मय या दुख के कारण शरीर पसीने से भर जाता है 3. भाप या वाष्प 4. वह प्रक्रिया, जिससे कोई वस्तु भाप आदि की सहायता से आर्द्र या तर की जाती हो जैसे- स्वेद 5. गरमी, ताप।

स्वेदक वि. (तत्.) 1. पसीना लाने वाला, प्रस्वेदक पुं. 2. कांतिसार लोहा।

स्वेदकारी वि. (तत्.) दे. स्वेदक।

स्वेदज वि. (तत्.) 1. पीसने से उत्पन्न होने वाला 2. गर्म भाप या उष्ण वाष्प से उत्पन्न होने वाला।

स्वेद जल पुं. (तत्.) पसीना।

स्वेदन पुं. (तत्.) 1. पसीना निकलना 2. पसीना निकालना या लाना 3. औषधियाँ शोधने का एक यंत्र।

स्वेदनत्व पुं. (तत्.) स्वेदन का गुण, धर्म या भाव।

स्वेदनिका स्त्री. (तत्.) 1. तवा 2. रसोईघर 3. शराब आदि चुआने का भभका।

स्वेदशाभिष्यंदव पुं. (तत्.) राष्ट्र में जहाँ आबादी बहुत अधिक हो गई हो, वहाँ से कुछ जनता को दूसरे प्रदेश में बसाना।

स्वेदांबु पुं. (तत्.) दे. स्वेद जल।

स्वेदायन पुं. (तत्.) खाल में रोएँ निकलने की जड़ या रोमकूप।

स्वेदित वि. (तत्.) 1. स्वेद या पसीने से युक्त 2. जिसे किसी प्रकार की भाप से बफारा दिया गया हो।

स्वेदी वि. (तत्.) पसीना लाने वाला।

स्वेद्य वि. (तत्.) जिसे पसीना लाया जा सके या लाया जाने को हो।

स्वै वि. (तत्.) अपना, निज का।

स्वैच्छिक वि. (तत्.) 1. जो किसी की अपनी या निजी इच्छा के अनुसार हो 2. किसी की निजी इच्छा से संबंध रखने वाला।

स्वैर वि. (तत्.) 1. अपनी मनमर्जी से चलने वाला, यथेच्छाचारी 2. मनमाना, यथेच्छा 3. धीमा, मंद।

स्वैरचार पुं. (तत्.) मनमाना आचरण, यथेच्छाचारी।

स्वैरचारिणी स्त्री. (तत्.) 1. मनमाना काम करने वाली स्त्री। 2. व्यभिचारी।

स्वैराचारी वि. (तत्.) 1. मनमाना काम करने वाला 2. व्यभिचारी, लंपट।

स्वैर तंत्र पुं. (तत्.) स्वेच्छाचारी शासन, तानाशाही या निरंकुश शासन।

स्वैरता स्त्री. (तत्.) 1. स्वच्छंदता, मनमानी 2. स्वच्छंद रूप से यौन संबंध रखना।

स्वैरवर्ती वि. (तत्.) दे. स्वेच्छाचारी।

स्वैराचार पुं. (तत्.) ऐसा मनमाना आचरण जो नैतिक, धार्मिक, सामाजिक आदि नियमों या बंधनों की उपेक्षा करके किया जाए।

स्वैराचारिणी स्त्री. (तत्.) दे. स्वैरचारिणी।

स्वैरचारी वि. (तत्.) 1. स्वैराचार करने वाला 2. स्वेच्छाचारी पुं. नैतिक, धार्मिक या सामाजिक आदि शास्त्रों और मर्यादाओं की उपेक्षा करके मनमाना आचरण करने वाला व्यक्ति या स्वेच्छाचारी व्यक्ति।

स्वैरालाप पुं. (तत्.) मौज-मस्ती में इधर-उधर की बातचीत करना या गपशप मारना।

स्वैरिंधी स्त्री. (तत्.) दे. सैरिंधी।

स्वैरिणी स्त्री. (तत्.) पुंश्चली या व्यभिचारिणी (स्त्री)।

स्वैरिता स्त्री. (तत्.) स्वच्छंद, स्वाधीन या स्वेच्छा से कार्य करने वाला।

स्वैरी पुं. (तत्.) 1. वह जो मनमाना आचरण करता हो 2. दुराचारी, बदचलन 3. व्यभिचारी।

स्वैहं अ.क्रि. (तद्.) सोएँगे उदा. निलज प्राण सुनि सुनि सुख स्वैहं -तुलसीदास (गीतावली)।

स्वोपार्जन पुं. (तत्.) अपने बलबूते पर अथवा बाहुबल से अपने लिए अर्जन करने वाला, स्वयं प्राप्त करना या कमाना।

स्वोपार्जित वि. (तत्.) स्वयं उपार्जन किया हुआ, अपना कमाया हुआ।